आदिवासी फिल्मों को प्रबंधकीय कौशल से बेहतर बाजार देने का होगा प्रयास

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

□ आइआइएम रांची में आयोजित आदिवासी फिल्म महोत्सव का समापन

आइआइएम रांची में आयोजित दो दिवसीय आदिवासी फिल्म महोत्सव "समुदाय के साथ" का समापन रविवार को हुआ. निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने फिल्म मेकर रूपेश साहू, अभिजीत पात्रो और पुरुषोत्तम कुमार को सम्मानित किया. उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज पर बननेवाली फिल्मों में रोचक विषय छिपे हैं. इन्हें कॉमर्शियल बाजार में पहुंचाने के लिए प्रबंधकीय कौशल की जरूरत है. इससे फिल्म न सिर्फ लोगों तक पहुंच सकेगी. साथ ही बेहतर बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर बेहतर फिल्म के रूप में स्थापित हो सकेगी. समापन सत्र से पूर्व महोत्सव की शुरुआत डॉक्यूमेंटरी जोहार की स्क्रीनिंग के साथ हुई. इसके बाद निर्देशक अभिजीत पात्रो के साथ फिल्म के विषय पर संवाद हुआ. फिर सृष्टिकथा, बांधा खेत, डॉक्यमेंटरी रैट ट्रैप और फिल्म जल-जंगल-जमीन की स्क्रीनिंग हुई. फिल्म मेकर पुरुषोत्तम ने बताया कि आदिवासी किसान आज भी अपनी जमीन गिरवी रखकर खेती करते है, जबकि फसल से उसकी भरपाई पूरी नहीं होती. इससे किसान आत्महत्या करने पर विवश हो जाते है. वहीं, फिल्म मेकर देबांजन माझी ने अपनी फिल्म जल-जंगल-जमीन से जुड़ी रोचक घटनाएं साझा की.

Prabhat Khabar_28.08.2023_Pg. 09